भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या. 4074

(जिसका उत्तर सोमवार, 28 मार्च, 2022/7 चैत्र, 1944 (शक) को दिया गया)

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग

4074. श्री हिबी ईडन:

क्या **कारपोरेट कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने कीमतें तय करने के लिए मिलीभगत करने पर पांच टायर निर्माताओं पर जुर्माना लगाया है और यदि हां, तो कंपनी और जुर्माने की राशि सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को ऐसे टायर निर्माताओं के खिलाफ कई शिकायतें मिली हैं जिस कारण ये जुर्माना लगाया गया और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो सीसीआई ने किस तरीके से संज्ञान लिया था;

(ग) क्या सरकार को सूचना मिली थी कि टायर निर्माताओं ने ऑटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के माध्यम से आपस में मूल्य-संवेदनशील डेटा का आदान-प्रदान किया था और सामूहिक रूप से टायर की कीमतों के बारे में निर्णय लिया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) मिलीभगत करके कीमत तय करने से टायर निर्माताओं को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); योजना मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); और कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) से (घ): भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ('आयोग') ने उल्लेख किया है कि ऑल इंडिया टायर डीलर्स फेडरेशन के द्वारा किए गए अभ्यावेदन के आधार पर, कार्यवाही शुरू कर दी गई थी और कपटपूर्ण मूल्य निर्धारण/कॉर्टिलाइजेशन में लिप्त होने पर ऐसे अवैध एवं अनुचित व्यवसाय पद्धतियों को बंद एवं समाप्त करने के आदेश पारित करने के अलावा, आयोग ने 2013 के संदर्भ मामला सं. 08 में पारित अपने आदेश के द्वारा अपोलो टायर्स लि. पर 425.53 करोड़ रुपये, एमआरएफ लि. पर 622.09 करोड़ रुपये, सीईएटी लि. पर 252.16 करोड़ रुपये, जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लि. पर 309.95 रुपये, बिरला टायर्स लि. पर 178.33 करोड़ रुपये और उनकी एसोसिएशन अर्थात ऑटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) पर 8.41 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। आयोग ने यह पाया था कि टायर मैन्युफैक्चरर्स ने अपनी एसोसिएशन, (एटीएमए) के मंच के माध्यम से आपस में मूल्य संवेदी डाटा का आदान-प्रदान किया था और टायरों के मूल्य पर सामूहिक निर्णय लिए थे।

*****